मुफ़्त IELTS किताबें

Reading 7.0: The 30/40 Question-Type Priority Map

ग्यारह आधिकारिक प्रश्न-प्रकार, इस हिसाब से क्रम में कि उन पर कितने अंक होते हैं और वह अंक कितनी आसानी से मिलता है — एक नक़्शा कि आपके साठ मिनट असल में कहाँ काम आते हैं।

freeieltsbooks.net
Free to download, free to pass on · अक्टूबर 2026

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

विषय-सूची

Reading 7.0: The 30/40 Question-Type Priority Map

Part 1 — 30/40 का नियम, फिर से — और यह किताब सूची नहीं, नक़्शा क्यों है

1.1 30/40 के लिए असल में क्या चाहिए

1.2 ग्यारह प्रकारों को सूची नहीं, नक़्शा क्यों चाहिए

Part 2 — 2026 में क्या बदल रहा है — Reading का अपना रूप

2.1 उतारने का समय नहीं, न पेपर पर, न कंप्यूटर पर

Part 3 — एक शब्द पढ़ने से पहले: वे दो मिनट जो पैसेज का फ़ैसला करते हैं

3.1 पूरा पढ़ने से पहले ढाँचे पर नज़र डालना

3.2 पहले सवाल, या पहले पैसेज?

Part 4 — प्राथमिकता का नक़्शा: ग्यारह प्रश्न-प्रकार, फ़ायदे के हिसाब से क्रम में

4.1 Identifying information और identifying writer's views (जानकारी और लेखक की राय पहचानना)

4.2 Matching headings (पैराग्राफ़ से शीर्षक मिलाना)

4.3 Summary, note, table और flow-chart completion (ख़ाली जगह भरना)

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

4.4 Multiple choice (कई विकल्पों में से चुनना)

Part 5 — Paraphrase: वह तरीक़ा जो हर प्रकार को मुश्किल बनाता है

5.1 असली स्किल शब्द-भंडार नहीं, paraphrase क्यों है

5.2 दोहराने लायक़ एक ड्रिल

Part 6 — तीनों पैसेज में समय, सिर्फ़ एक के अंदर नहीं

6.1 पहले कौन-सा पैसेज?

6.2 छोड़िए और लौटिए, अटककर रुकिए मत

Part 7 — एक पैसेज, शुरू से आख़िर तक

7.1 प्रीव्यू

7.2 पैसेज और सवाल

7.3 जवाब, और ग़लत विकल्प इस तरह क्यों बनाए गए कि उन्हें चुना जाए

Part 8 — अपनी प्रगति ख़ुद जाँचना

8.1 यह किताब तकनीक है, टेस्ट नहीं

आख़िर में

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Reading 7.0: The 30/40 Question-Type Priority Map

Free IELTS Books — freeieltsbooks.net अद्यतन अक्टूबर 2026

यह किताब क्या है

The Band 7.0 Blueprint, जो इसी साइट पर मुफ़्त है, असली तरीक़ा पहले ही समझा चुकी है: Reading 40 में से जाँचा जाता है, और लगभग 30 सही जवाब आपको band 7 पर पहुँचा देते हैं। वह 6.5 से 7.0 के बीच की सबसे बड़ी रुकावट का नाम भी लेती है — **False** और **Not Given** में गड़बड़ — और यह भी बताती है कि अंग्रेज़ी में पढ़ने का ज़्यादातर हिस्सा असल में paraphrase (एक ही बात को दूसरे शब्दों में कहना) है, शब्द-भंडार नहीं। यह किताब इनमें से कुछ भी नहीं दोहराती। वह ठीक वहीं से शुरू होती है जहाँ वह किताब रुकती है: ग्यारह आधिकारिक प्रश्न-प्रकार, इस हिसाब से क्रम में रखे गए कि आम तौर पर हर एक पर कितने अंक होते हैं, और उस प्रकार का अपना जाल पता हो जाने के बाद वह अंक कितनी आसानी से मिलता है।

ग्यारहों प्रकारों में ढाँचे की एक बात एक जैसी है, जिसका नाम यहाँ एक बार लिया गया है और जो हर प्रकार के अपने हिस्से में दिखाई गई है: टेस्ट किसी ख़ास बात को ढूँढने और मिलाने पर बना है, पहले पूरा पैसेज पढ़कर समझने पर नहीं। यह किताब ग्यारहों प्रकारों को एक जैसा नहीं मानती। जिन चार पर आम तौर पर सबसे ज़्यादा अंक होते हैं, उन्हें पूरी प्लेबुक मिलती है — प्रकार क्या पूछता है, उसका अपना जाल, तकनीक, और एक हल किया गया उदाहरण। बाक़ी सात को छोटी पर पूरी प्रविष्टि मिलती है। यह असमानता ही असल बात है: नक़्शा क्रम तय करता है, सूची नहीं करती।

यह किताब सिर्फ़ Academic Reading की है। General Training Reading में वही ग्यारह प्रश्न-प्रकार हैं और वही 60 मिनट, 40 सवालों वाला ढाँचा, इसलिए इस किताब की हर तकनीक सीधे वहाँ भी काम आती है — पर उसके पैसेज और उसकी रॉ स्कोर से बैंड वाली तालिका, दोनों Academic से अलग हैं, और इस किताब के नाम का

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

"30/40" ख़ास Academic की संख्या है। General Training पढ़ने वाले इन तकनीकों के साथ अपने मॉड्यूल की बैंड तालिका इस्तेमाल करें, यह वाली नहीं।

यह किताब क्या नहीं है

यह कोई सेल्फ़-टेस्ट नहीं है। *The Minimum-Effort Path to 7.0* Reading के लिए आधिकारिक सेल्फ़-टेस्ट और रुकने का नियम पहले से देती है — अपने ग़लत जवाबों को प्रश्न-प्रकार के हिसाब से छाँटिए, क्योंकि कुल स्कोर यह छिपा देता है कि असल में कौन-सा प्रकार आपके अंक खा रहा है। यह किताब उससे होड़ लेने वाला दूसरा टेस्ट नहीं गढ़ती। जब आप यहाँ की तकनीक पढ़ लें और जानना चाहें कि उसका असर हुआ या नहीं, तो Part 8 आपको नाम लेकर वहीं भेजता है।

इसमें Listening, Writing या Speaking नहीं हैं। उनमें से हर एक की इस साइट पर अपनी अलग किताब है। यह किताब सिर्फ़ Reading की है।

यह किताब एक ही वादा करती है

Reading में band 7 पाना तेज़ पढ़ने या हर पैसेज का ज़्यादा हिस्सा समझने के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि आप जानें कि ग्यारह में से कौन-से प्रश्न-प्रकार पर असल में अंक हैं, हर एक को ठीक किस तरह बनाया गया है कि वह छूट जाए, और अपने साठ मिनट वहाँ लगाएँ जहाँ उनका फ़ायदा हो। यहाँ की किसी तकनीक का यह दावा नहीं है कि वह किसी ख़ास जवाब को पकड़ने की गारंटी देती है — हर तकनीक वही बताती है जो वह करती है: वह एक जानी-पहचानी चूक को कम करती है। आपका असली बैंड सिर्फ़ आधिकारिक टेस्ट का नतीजा तय करता है।

शुरू करने से पहले एक बात

इस किताब का पैसेज, सवाल और हर हल किया गया उदाहरण इसी के लिए गढ़ा गया है। इनमें से कुछ भी किसी असली IELTS Reading पैसेज या सवाल की नक़ल या उससे मिलती-जुलती कॉपी नहीं है — असली टेस्ट की सामग्री कहीं दोबारा पेश नहीं की

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

गई, और यहाँ की किसी चीज़ को उसका हिस्सा न समझें। गढ़े हुए उदाहरण से अभ्यास करने पर तकनीक आती है; आप असल में कहाँ खड़े हैं, यह सिर्फ़ आधिकारिक प्रैक्टिस सामग्री बताती है।

© 2026 OurSharedCode — freeieltsbooks.net। यह किताब एक स्वतंत्र प्रकाशन है, जो शैक्षिक उद्देश्य से निःशुल्क वितरित की जाती है।

IELTS®, British Council, IELTS Australia Pty Ltd (IDP Education के स्वामित्व में) और Cambridge English (Cambridge University Press & Assessment का हिस्सा) का पंजीकृत ट्रेडमार्क है — इन्हें मिलाकर 'IELTS Partners' कहा जाता है। यह प्रकाशन और इसके लेखक IELTS Partners से संबद्ध, प्रायोजित, अनुमोदित या स्वीकृत नहीं हैं; 'IELTS' शब्द शीर्षक और पाठ में केवल इस किताब का विषय बताने के लिए है।

सभी प्रश्न, मॉडल उत्तर और व्याख्याएँ लेखक की मौलिक रचनाएँ हैं; कोई आधिकारिक IELTS सामग्री यहाँ पुनःप्रकाशित नहीं की गई है। परीक्षा की ताज़ा आधिकारिक जानकारी के लिए ielts.org देखें।

आप यह किताब उसके पूर्ण, बिना बदले रूप में मुफ़्त साझा कर सकते हैं। इसे बेचा नहीं जा सकता। स्वैच्छिक दान केवल होस्टिंग, डोमेन और अनुवाद की लागत में सहायता करते हैं; कोई सामग्री बेची नही जाती, और दान का IELTS Partners से कोई संबंध नहीं है।

Part 1 — 30/40 का नियम, फिर से — और यह किताब सूची नहीं, नक़्शा क्यों है



1.1 30/40 के लिए असल में क्या चाहिए

The Band 7.0 Blueprint यह बात पहले ही समझा चुकी है: Reading में band 7 के लिए 40 में से लगभग 30 सही जवाब चाहिए। ठीक संख्या हर टेस्ट में थोड़ी-बहुत बदलती है। यह समय के दबाव में, साठ मिनट में तीन पैसेज पर एक हिट रेट है। यह जो कुछ पढ़ें, सब पूरी तरह समझने की शर्त नहीं है। बहुत कम उम्मीदवार ऐसे होते हैं जो समय बचाकर और तीनों पैसेज पूरे समझकर टेस्ट ख़त्म करें। band 7 वाले उम्मीदवार वे हैं जो अपना सीमित समय उन सवालों पर लगाते हैं जिनका फ़ायदा मिलता है। वे सबसे तेज़ पढ़ने वाले नहीं हैं, और सबसे ज़्यादा समझने वाले भी नहीं।

यही एक विचार — सीमित समय वहाँ लगाइए जहाँ उसका फ़ायदा हो — इस किताब का पूरा आधार है, बस Blueprint से एक क़दम आगे ले जाया गया।

1.2 ग्यारह प्रकारों को सूची नहीं, नक़्शा क्यों चाहिए

Listening में छह आधिकारिक प्रश्न-प्रकार हैं। Listening पर किताब हर एक को लगभग बराबर जगह देकर उसे पूरा कह सकती है। Reading में ग्यारह हैं। ग्यारहों को

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

एक ही तरह से लेना — वही लंबाई, वही गहराई, उसी क्रम में जिसमें कोई पाठ्यपुस्तक उन्हें छाप दे — इसके दो नुक़सान हैं। हर एक को बहुत कम जगह दीजिए, तो कोई भी काम का नहीं रहता। हर एक को उतनी ही जगह दीजिए जितनी Listening के छह को मिलती है, तो किताब इतनी लंबी हो जाती है कि उसे सच में पढ़ा ही न जाए।

इसलिए यह किताब उन्हें क्रम में रखती है। चार प्रकारों पर आम तौर पर टेस्ट के 40 अंकों का सबसे बड़ा हिस्सा होता है। जो उम्मीदवार उनका ख़ास जाल जानता है, वह वे अंक आसानी से जीत लेता है। बाक़ी सात में से हर एक पर कम अंक होते हैं, या उतने ही अंक, पर समय की ज़्यादा क़ीमत पर। उन्हें छोटी पर पूरी प्रविष्टि मिलती है: जाल और तकनीक, हर एक के लिए अलग हल किए गए उदाहरण के बिना।

यह क्रम कोई आधिकारिक अंक-तालिका नहीं है। प्रश्न-प्रकारों का ठीक मेल हर टेस्ट में बदलता है, और IELTS हर प्रकार के लिए तय अंक-संख्या नहीं छापता। यह इस किताब का अपना प्राथमिकता-क्रम है, जो छपे हुए टेस्ट फ़ॉर्मेट से बना है और इस बात से कि कौन-से जाल सच में उम्मीदवारों को band 6.5 पर रोकते हैं। इसका मक़सद यह बदलना है कि आप एक प्रैक्टिस सत्र कैसे बिताते हैं: सबसे ज़्यादा फ़ायदे वाले चार प्रकारों पर तब तक काम कीजिए जब तक उनका जाल आपको फँसाना बंद न कर दे, फिर बाक़ी पर जाइए।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 2 — 2026 में क्या बदल रहा है — Reading का अपना रूप

The Band 7.0 Blueprint टेस्ट देने के तरीक़े में हुए बदलाव पूरे समझा चुकी है: पेपर वाला टेस्ट 2026 के बीच से दुनिया भर में बंद हो रहा है, कुछ चुने हुए देशों में Writing on Paper एक विकल्प बना रहेगा, और ज़्यादातर उम्मीदवार अब हर स्किल कंप्यूटर पर देते हैं। यह किताब उनमें से कुछ भी नहीं दोहराती।

कंप्यूटर पर जाने का Reading पर अपना असर आपकी उम्मीद से छोटा है, और Listening से भी छोटा। Reading में कभी "अभी लिखिए, जवाब बाद में उतारिए" वाला ढाँचा नहीं था, जैसा पेपर वाले Listening में था। पेपर पर भी साठ मिनट में ही जवाब पढ़ते-पढ़ते सीधे आंसर शीट पर लिखने होते थे। आख़िर में उतारने का कोई अलग समय नहीं था जिसके हिसाब से योजना बनानी पड़े। कंप्यूटर पर आप पढ़ते-पढ़ते जवाब सीधे स्क्रीन वाले फ़ॉर्म में टाइप करते हैं। यहाँ भी बाद में उतारने को कुछ नहीं बचता।

2.1 उतारने का समय नहीं, न पेपर पर, न कंप्यूटर पर

व्यावहारिक नतीजा: कंप्यूटर वाला टेस्ट Reading के लिए बाक़ी तीन स्किल के मुक़ाबले कम बदलता है। न कोई नया जाँच का समय है जिसकी योजना बनानी हो, न कोई पुराना सुरक्षा जाल जो ग़ायब हो गया हो। फिर भी इससे एक आदत साथ ले जाने लायक़ है, और Part 5 अलग कारणों से भी इसी की वकालत करता है: हर जवाब पहली बार में ही सही टाइप कीजिए या लिखिए। आख़िर में वापस जाकर उसे ठीक करने के लिए अलग से कोई समय नहीं रखा गया है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 3 — एक शब्द पढ़ने से पहले: वे दो मिनट जो पैसेज का फ़ैसला करते हैं



3.1 पूरा पढ़ने से पहले ढाँचे पर नज़र डालना

The Band 7.0 Blueprint पहले ही सलाह देती है कि पैसेज पूरा पढ़ने से पहले दो-तीन मिनट उसके ढाँचे पर सरसरी नज़र डालिए। यहाँ ठीक-ठीक बताया गया है कि उन मिनटों में क्या देखना है। पैराग्राफ़ गिनिए। देखिए कि किसी पर कोई शीर्षक या साफ़ विषय-वाक्य है या नहीं। ध्यान दीजिए कि पैसेज कहाँ एक उप-विषय से दूसरे पर जाता दिखता है। आप अभी सामग्री के लिए नहीं पढ़ रहे। आप पैसेज का एक मोटा नक़्शा बना रहे हैं, ताकि जब कोई सवाल आपको किसी बात की तलाश में भेजे, तो आपको पहले से अंदाज़ा हो कि वह किस पैराग्राफ़ में है।

इस झलक में हर पैसेज के बीस मिनट में से दो-तीन मिनट लगते हैं। यह समय बेकार नहीं जाता। जो उम्मीदवार इसे छोड़कर पहले पैराग्राफ़ के पहले शब्द से पढ़ना शुरू करता है, उसे वही नक़्शा फिर भी बनाना पड़ता है। बस वह उसे एक-एक सवाल करके बनाता है, उससे कहीं ज़्यादा समय के दबाव में जितना एक अलग, पूरा चक्कर आपको देता है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

3.2 पहले सवाल, या पहले पैसेज?

इसका कोई एक सही जवाब नहीं है। यह किताब यह दिखावा नहीं करती कि एक ही तरीक़ा हर प्रश्न-प्रकार पर फ़िट बैठता है; वह असली फ़ैसला बताती है।

जो प्रश्न-प्रकार आपसे किसी ख़ास बात को **ढूँढने** को कहते हैं — matching information, matching headings, matching features — उनमें पैसेज से पहले सवाल पढ़ना आम तौर पर तेज़ होता है। तलाश शुरू करने से पहले आप जानते हैं कि क्या ढूँढ रहे हैं। पहले पूरा पैसेज शुरू से आख़िर तक पढ़ना वह समय है जिसकी आपको कभी ज़रूरत नहीं पड़ने वाली थी।

जो प्रश्न-प्रकार पैसेज के अपने क्रम में चलते हैं — identifying information (True/False/Not Given और उसके रिश्तेदार), summary completion, sentence completion — उनमें पैसेज के क्रम में पढ़ना और हर सवाल का जवाब आते ही उसे देना आम तौर पर तेज़ होता है। ये प्रकार आम तौर पर पैसेज के क्रम से मेल खाते हुए रखे जाते हैं। हाथ में सवाल लेकर पैसेज से एक बार गुज़रना दूसरी तलाश से बचा लेता है।

Part 4 बताता है कि इन दोनों में से कौन-सा तरीक़ा किस प्रकार पर फ़िट बैठता है। टेस्ट वाले दिन आपको अंदाज़ा नहीं लगाना पड़ेगा।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 4 — प्राथमिकता का नक़्शा: ग्यारह प्रश्न-प्रकार, फ़ायदे के हिसाब से क्रम में

यह हिस्सा Reading के ग्यारह आधिकारिक प्रश्न-प्रकारों को क्रम में रखता है। क्रम इस बात से तय है कि टेस्ट के 40 अंकों में से आम तौर पर हर प्रकार पर कितने अंक होते हैं, और उस प्रकार के अपने जाल का नाम पता हो जाने के बाद वह अंक कितनी आसानी से मिलता है। यह वर्णमाला वाला क्रम नहीं है, और न वह क्रम जिसमें कोई टेस्ट उन्हें छाप देता है। यह काम चलाने का क्रम है, आधिकारिक अंक-तालिका नहीं — सवालों का ठीक मेल हर टेस्ट में बदलता है, और IELTS हर प्रकार के लिए तय अंक-संख्या नहीं छापता।

सबसे ज़्यादा फ़ायदे वाले चार प्रकारों को पूरी प्लेबुक मिलती है: प्रकार क्या पूछता है, उसका अपना जाल, तकनीक, और एक छोटा हल किया गया उदाहरण। बाक़ी सात को छोटी प्रविष्टि मिलती है: जाल और तकनीक, हर एक के लिए अलग उदाहरण के बिना। अगर समय कम है, तो पहले पूरी प्लेबुक पढ़िए। बाक़ी पर बाद में काम कीजिए।

4.1 Identifying information और identifying writer's views (जानकारी और लेखक की राय पहचानना)

यह क्या पूछता है। एक कथन दिया जाता है। आप तय करते हैं कि पैसेज उसे सच कहता है या नहीं, लेखक उससे सहमत है या नहीं, या पैसेज उस बात को कहीं छूता ही नहीं।

जाल। Reading में 6.5 से 7.0 के बीच की यह सबसे बड़ी रुकावट है, और लगभग हमेशा वही एक गड़बड़ होती है। आम पढ़ाई में **False** और **Not Given** एक जैसे लगते हैं। वे एक जैसे नहीं हैं। जिस कथन को पैसेज सच में काटता है, वह False है। जिस कथन का पैसेज किसी भी तरफ़ ज़िक्र ही नहीं करता, वह Not Given है। इस प्रकार में चूकने वाले ज़्यादातर उम्मीदवार पैसेज ग़लत नहीं पढ़ रहे होते। वे कथन को False लगा देते हैं जबकि ईमानदार जवाब Not Given था, क्योंकि उस बात पर पैसेज की चुप्पी उन्हें एक तरह की असहमति जैसी लगी।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

तकनीक। किसी कथन को False लगाने से पहले पैसेज में वह ठीक वाक्य ढूँढिए जो उसे काटता है। अगर आप किसी वाक्य पर उँगली नहीं रख सकते, तो जवाब Not Given है। यह नियम लागू रहता है, चाहे पैसेज की चुप्पी आपको कितना भी पक्का महसूस कराए। इसे हर बार लगाइए। यह एक नियम है, हर मामले में अलग से किया जाने वाला फ़ैसला नहीं।

हल किया गया उदाहरण। पैसेज का वाक्य: *"The workshop's early sessions ran for two hours, though organisers later shortened this to ninety minutes after attendee feedback."* कथन: *"The workshop sessions always ran for two hours."* जल्दी पढ़ने वाला उम्मीदवार इसे True लगा सकता है, क्योंकि पैसेज में दो घंटे के सत्रों का ज़िक्र है। पर पैसेज यह भी कहता है कि लंबाई बदल दी गई। कथन के "always" को "later shortened" सीधे काटता है। सही जवाब False है, न True और न Not Given, क्योंकि काटने वाला एक ख़ास वाक्य मौजूद है।

4.2 Matching headings (पैराग्राफ़ से शीर्षक मिलाना)

यह क्या पूछता है। शीर्षकों की एक सूची दी जाती है, जिसमें पैराग्राफ़ों की संख्या से एक शीर्षक ज़्यादा होता है। आप हर पैराग्राफ़ को उस शीर्षक से मिलाते हैं जो उसका सबसे अच्छा सार बताता है।

जाल। ध्यान भटकाने वाले शीर्षक आम तौर पर पैराग्राफ़ के असली मुख्य विचार से नहीं, बल्कि उसके अंदर आई किसी सच्ची बारीक बात से बनाए जाते हैं। किसी नीति के आर्थिक असर पर ज़्यादातर बात करने वाले पैराग्राफ़ में एक वाक्य लोगों की प्रतिक्रिया पर हो सकता है। "public reaction to the policy" जैसा भटकाने वाला शीर्षक उस पाठक को लुभा सकता है जो पैराग्राफ़ की पूरी बात के बजाय किसी साझा शब्द पर मिलान कर रहा है।

तकनीक। शीर्षकों के विकल्प देखने से पहले पैराग्राफ़ का मुख्य विचार अपने शब्दों में, एक छोटे वाक्यांश में कहिए। फिर वह शीर्षक ढूँढिए जो आपके वाक्यांश से मेल खाता है। पहले शीर्षकों पर नज़र दौड़ाकर वह मत चुनिए जिसके सबसे ज़्यादा शब्द किसी पढ़ी हुई याद से मिलते हों।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

हल किया गया उदाहरण। एक पैराग्राफ़ शहरों की बढ़ती आबादी पर दो वाक्यों से शुरू होता है, चार वाक्य एक शहर के सार्वजनिक परिवहन में निवेश पर लगाता है, और एक वाक्य पर ख़त्म होता है जिसमें निर्माण के दौरान रुकावटों को लेकर कुछ निवासियों की शिकायतों का ज़िक्र है। "complaints" पर मिलान करने वाला पाठक "Residents object to construction delays." जैसे शीर्षक की ओर हाथ बढ़ा सकता है। पर पैराग्राफ़ का अपना मुख्य विचार, एक वाक्यांश में, है "a city expands public transport to meet population growth." सही शीर्षक उसी वाक्यांश से मेल खाता है। शिकायतों वाला वाक्य सहारा देने वाली बारीक बात है, पैराग्राफ़ का असली मुद्दा नहीं।

4.3 Summary, note, table और flow-chart completion (ख़ाली जगह भरना)

यह क्या पूछता है। एक summary, नोट्स, एक तालिका या एक flow-chart पैसेज की कुछ जानकारी को अलग ढाँचे में दोहराता है। आपके भरने के लिए ख़ाली जगहें छोड़ी जाती हैं, आम तौर पर "no more than two words" जैसी शब्द-सीमा के साथ।

जाल। यहाँ दो जाल मिल जाते हैं। पहला, शब्द-सीमा एक पक्का नियम है — जहाँ सीमा दो शब्दों की है, वहाँ तकनीकी रूप से सही तीन शब्दों वाले जवाब को शून्य मिलता है, आधे अंक नहीं। दूसरा, summary के अपने शब्द पैसेज का paraphrase हैं, उसकी नक़ल नहीं। summary के शब्दों से मिलाने के लिए पैसेज में ठीक वही शब्द ढूँढना आम तौर पर नाकाम रहता है।

तकनीक। पहले ख़ाली जगह का व्याकरण देखिए। पैसेज में ढूँढने से पहले तय कीजिए कि कौन-सा शब्द-भेद ग़ायब है — संज्ञा, क्रिया, संख्या। फिर उस विचार को ढूँढिए जिसे summary दूसरे शब्दों में कह रही है, उसके शाब्दिक शब्दों को नहीं। जवाब लिखने से पहले उसके शब्द गिनिए।

हल किया गया उदाहरण। पैसेज: *"The bridge's original wooden structure was replaced in 1954 with a steel frame designed to withstand stronger river currents."* summary की ख़ाली जगह: *"The bridge's wooden structure was replaced with a _____ frame in 1954."* ख़ाली जगह का व्याकरण

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

किसी पदार्थ को बताने वाली संज्ञा माँगता है, एक या दो शब्द। पैसेज के शब्द हैं "steel frame." summary में "frame" पहले से है, इसलिए जवाब बस "steel" है, "a steel frame" नहीं, जो इस उदाहरण में मानी गई दो शब्दों की सीमा तोड़ देता।

4.4 Multiple choice (कई विकल्पों में से चुनना)

यह क्या पूछता है। एक सवाल या अधूरे वाक्य के बाद तीन या चार विकल्प होते हैं। आप वह विकल्प चुनते हैं — कभी-कभी एक से ज़्यादा — जिसका पैसेज समर्थन करता है।

जाल। कम से कम एक ग़लत विकल्प आम तौर पर ऐसा कथन होता है जो पैसेज के हिसाब से सच है, पर पूछे गए ख़ास सवाल का जवाब नहीं देता। जो पाठक हर विकल्प को सिर्फ़ "क्या यह पैसेज में सच है" से परखता है, "क्या यह सच में सवाल का जवाब देता है" से नहीं, वह शायद सच-पर-बेमतलब विकल्प चुन लेगा।

तकनीक। चुनने से पहले सवाल का ठीक-ठीक हिस्सा दोबारा पढ़िए। हर विकल्प को उसी के सामने रखिए, पैसेज के आम मतलब के सामने नहीं। जो विकल्प पैसेज में कहीं और सच हैं पर इस ख़ास सवाल को नहीं छूते, उन्हें वैसे ही हटाइए जैसे सीधे ग़लत विकल्पों को हटाते हैं।

हल किया गया उदाहरण। एक पैसेज किसी कंपनी के सप्लायर बदलने के फ़ैसले पर बात करता है। वह चलते-चलते बताता है कि नया सप्लायर दाम भी कम लेता है, पर कहता है कि बदलाव की बताई गई वजह डिलीवरी का भरोसेमंद होना था। सवाल: *"According to the passage, why did the company change suppliers?"* विकल्पों में "Lower prices" और "More reliable delivery" हैं। पैसेज के हिसाब से Lower prices सच है। पर सवाल बताई गई वजह पूछ रहा है, जिसे पैसेज सीधे भरोसेमंद डिलीवरी बताता है। दामों वाली सच्ची बात पूछे गए सवाल का जवाब नहीं देती।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

बाक़ी सात प्रकार

ऊपर के चार के मुक़ाबले इनमें से हर एक पर कम अंक होते हैं, या उतने ही अंक, पर समय की ज़्यादा क़ीमत पर। नीचे की हर प्रविष्टि सिर्फ़ जाल और तकनीक बताती है।

4.5 Matching information (जानकारी किस पैराग्राफ़ में है)। सवाल किसी बात का नाम लेता है — एक तारीख़, एक कारण, एक तुलना — और आप पहचानते हैं कि वह किस पैराग्राफ़ में है। **जाल:** कई पैराग्राफ़ एक ही आम विषय को छूते लग सकते हैं। **तकनीक:** किसी आम विषय के बजाय किसी ख़ास तथ्य पर मिलान कीजिए — एक संख्या, एक नाम, एक बताया गया कारण। आम विषय अक्सर एक से ज़्यादा पैराग्राफ़ में साझा होता है।

4.6 Matching features (लोगों, सिद्धांतों या श्रेणियों से मिलान)। कथनों को लोगों, सिद्धांतों, तारीख़ों या श्रेणियों की एक सूची से मिलाया जाता है। नीचे वाले matching sentence endings से अलग, यहाँ विकल्प एक से ज़्यादा बार इस्तेमाल हो सकते हैं या बिल्कुल नहीं। **जाल:** यह मान लेना कि हर विकल्प ठीक एक बार इस्तेमाल होगा, जो नियम टेस्ट में दूसरी जगहों पर लागू होता है। **तकनीक:** चलते-चलते नोट करते रहिए कि कौन-से विकल्प इस्तेमाल हो चुके हैं। किसी विकल्प को दोबारा इस्तेमाल करने, या किसी को बिना इस्तेमाल छोड़ने के लिए तैयार रहिए — यह प्रकार एक-से-एक वाला वह नियम नहीं मानता जो दूसरे matching प्रकार मानते हैं।

4.7 Matching sentence endings (वाक्य का सही अंत मिलाना)। वाक्यों की शुरुआत की एक सूची को संभावित अंतों की एक सूची से मिलाया जाता है, और अंत शुरुआतों से ज़्यादा दिए जाते हैं। **जाल:** कोई अंत किसी शुरुआत के साथ व्याकरण में सही होकर भी ग़लत मिलान हो सकता है। वाक्य आराम से पढ़ा जाता है, पर वह बात कहता है जिसका पैसेज समर्थन नहीं करता। **तकनीक:** विकल्प कम करने के लिए पहले अंत का व्याकरण शुरुआत से मिलाइए। पक्का करने से पहले बने हुए वाक्य की बात को पैसेज से जाँचिए।

4.8 Sentence completion (वाक्य पूरा करना)। पैसेज के बारे में एक वाक्य में ख़ाली जगह होती है, उसी तरह की शब्द-सीमा के साथ जैसी summary completion में होती है। **जाल:** वही शब्द-सीमा वाला नियम जो 4.3 में है, बस पूरी summary के

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

बजाय एक वाक्य पर। जब वाक्य वाला सवाल कम दाँव वाला लगे, तो इसे भूलना आसान है। **तकनीक:** सामग्री के लिए पैसेज पढ़ने से पहले ख़ाली जगह के व्याकरण से अंदाज़ा लगाइए कि किस तरह का शब्द चाहिए, ठीक वैसे जैसे 4.3 में।

4.9 Short-answer questions (छोटे जवाब वाले सवाल)। सीधा सवाल पूछा जाता है। आप उसका जवाब कुछ ही शब्दों में देते हैं, यहाँ भी शब्द-सीमा के साथ। **जाल:** पैसेज के अपने ठीक शब्द आम तौर पर सबसे सुरक्षित जवाब होते हैं। उनका paraphrase — अपने शब्दों में पूरी तरह सही होकर भी — ख़ास शब्द-सीमा से चूक सकता है, या उस ठीक रूप से जो answer key चाहती है। **तकनीक:** जवाब वाला वाक्यांश अपने शब्दों में दोबारा कहने के बजाय सीधे पैसेज से उठाइए। आगे बढ़ने से पहले शब्द-सीमा जाँचिए।

4.10 Diagram label completion (चित्र पर नाम भरना)। किसी चित्र, नक़्शे या सादे रेखाचित्र पर नाम ग़ायब होते हैं, और पैसेज बताता है कि हर ख़ाली जगह पर क्या आएगा। Academic Reading में यह प्रकार कम आता है — General Training में ज़्यादा दिखता है — पर यह अपने Listening वाले जोड़ीदार की तरह ही बना है। **जाल:** किसी प्रक्रिया या बनावट के पैसेज वाले विवरण में अपनी जगह खोने से उसके बाद के सारे नाम चले जाते हैं। नाम आम तौर पर क्रम से बताए जाते हैं। **तकनीक:** पढ़ते समय पैसेज के विवरण के साथ-साथ चित्र पर चलते रहिए, उसी क्रम में जो पैसेज इस्तेमाल करता है। चित्र और पाठ के बिखरे हिस्सों के बीच कूदिए मत।

क्रम के बारे में एक बात। ये छह प्रविष्टियाँ यहाँ किसी अंदरूनी क्रम में नहीं हैं, बस इतना है कि एक समूह के तौर पर इनका फ़ायदा 4.1–4.4 से कम है। प्रैक्टिस का बचा समय इन्हें यहाँ छपे क्रम में करने के बजाय उस पर लगाइए जो आपका अपना सेल्फ़-टेस्ट (देखिए Part 8) दिखाए कि असल में आपके अंक खा रहा है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 5 — Paraphrase: वह तरीक़ा जो हर प्रकार को मुश्किल बनाता है

5.1 असली स्किल शब्द-भंडार नहीं, paraphrase क्यों है

The Band 7.0 Blueprint यह बात पहले ही कहती है: Reading के सवाल शायद ही कभी पैसेज के ठीक शब्द दोहराते हैं। किसी अध्ययन की "financial support" के बारे में सवाल का जवाब पैसेज के उस वाक्य में हो सकता है जो उसकी "funding" की बात करता है। यह टेस्ट की आपको फँसाने की चाल नहीं है। यह परख रहा है कि आप दूसरे शब्दों में कही गई उसी बात को पहचानते हैं या नहीं — एक ख़ास स्तर के बाद किसी दूसरी भाषा में पढ़ने के लिए असल में ज़्यादातर यही चाहिए।

Part 4 के ग्यारहों प्रश्न-प्रकार यह मानकर चलते हैं। summary completion की ख़ाली जगह के शब्द पैसेज का paraphrase हैं। matching headings में सही शीर्षक पैराग्राफ़ के मुख्य विचार का paraphrase है। identifying information के कथन उन दावों का paraphrase हैं जो पैसेज सीधे करता है। जो उम्मीदवार ठीक वही शब्द ढूँढता है, वह टेस्ट की अपनी बनावट से लड़ रहा है। यह किसी एक प्रश्न-प्रकार की ख़ासियत नहीं है।

5.2 दोहराने लायक़ एक ड्रिल

यह ड्रिल आप किसी भी पैसेज के किसी भी वाक्य से कर सकते हैं। इस ख़ास स्किल के लिए यह अकेले ज़्यादा पैसेज पढ़ने से ज़्यादा काम करती है।

एक वाक्य लीजिए। वही बात कहने के तीन अलग तरीक़े लिखिए, हर एक में शब्द बदलें पर मतलब नहीं। मिसाल के तौर पर: *"The city's population doubled between 1990 and 2010."*

- "Between 1990 and 2010, the number of people living in the city grew to twice its earlier size."

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

- "The city was home to twice as many residents in 2010 as it had been two decades earlier."
- "A twenty-year period starting in 1990 saw the city's population increase by a factor of two."

ध्यान दीजिए कि तीनों में क्या नहीं बदलता: दुगना होने की बात, और दो दशक की अवधि। ध्यान दीजिए कि क्या खुलकर बदलता है: वाक्य की बनावट, मुख्य क्रिया किस शब्द पर है, और समय की अवधि का सीधे नाम लिया गया है या उसका वर्णन किया गया है। असली पैसेज और सवाल की जोड़ी ठीक इसी तरह का बदलाव इस्तेमाल करती है। हफ़्ते में कुछ वाक्यों के साथ इसका सीधा अभ्यास वह पहचानने की स्किल बनाता है जिसका यह टेस्ट इनाम देता है — अनजाने पैसेज पढ़ने से ज़्यादा सीधे।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 6 — तीनों पैसेज में समय, सिर्फ़ एक के अंदर नहीं



6.1 पहले कौन-सा पैसेज?

The Band 7.0 Blueprint हर पैसेज की योजना पहले ही देती है: हर पैसेज पर लगभग बीस मिनट, जिनमें से दो-तीन मिनट ढाँचे पर सरसरी नज़र में और बाक़ी सवालों के जवाब देने में, पैसेज के क्रम में, जहाँ दोनों आम तौर पर मेल खाते हैं। यह हिस्सा उसके ऊपर की परत जोड़ता है — तीनों में से पहले कौन-सा पैसेज करें।

हर पैसेज पर उतने ही अंक हैं, चाहे वह पढ़ने में कितना भी मुश्किल हो। अंकों को इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता कि आपको कौन-सा पैसेज सबसे आसान लगता है। छपे हुए क्रम से बँधने से पहले तीस सेकंड लगाकर तीनों पैसेज की शुरुआती पंक्तियाँ पढ़िए। जो आपको सबसे आराम से पढ़ा जाए, उसे पहले कीजिए। ज़रूरी नहीं कि वह Passage 1 हो — Reading के पैसेज आम तौर पर टेस्ट में आगे बढ़ते हुए मुश्किल होते जाते हैं, पर हर पढ़ने वाले के लिए हमेशा अंदाज़े के मुताबिक़ नहीं। सबसे संभालने लायक़ लगने वाले पैसेज से शुरू करने से काम की लय बनती है और अंक जल्दी जमा होते हैं। इससे आपकी सबसे ताज़ा एकाग्रता उस पैसेज पर ख़र्च नहीं होती जो संयोग से पहले छपा है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

यह वही "सीमित समय वहाँ लगाइए जहाँ उसका फ़ायदा हो" वाला विचार है जिसे Part 4 का क्रम प्रश्न-प्रकारों पर लगाता है। यहाँ उसे एक स्तर ऊपर, पूरे पैसेज पर लगाया गया है।

6.2 छोड़िए और लौटिए, अटककर रुकिए मत

जो एक सवाल लगभग एक मिनट की सच्ची कोशिश के बाद भी हल न हो, वह उसी कोशिश के दूसरे मिनट के लायक़ नहीं। अपना सबसे अच्छा अंदाज़ा लिखिए। सवाल का नंबर नोट कर लीजिए ताकि उस पर लौट सकें। अगले सवाल पर बढ़िए।

यह रुकने के नियम वाली उसी सोच से मेल खाता है जिसे *The Minimum-Effort Path to 7.0* पूरी पढ़ाई की योजना पर लगाती है — मेहनत बर्बाद नहीं, कम मेहनत नहीं। यहाँ यह समय के दबाव में एक पैसेज पर लागू होती है। जो अंदाज़ा आप अभी लिखते हैं, चाहे शक वाला हो, उसके सही होने की संभावना है। जो जगह इसलिए ख़ाली रह गई कि आपका बचा समय एक सवाल पर अटकने में चला गया, उसकी कोई संभावना नहीं। और अक्सर इसकी क़ीमत अगला सवाल भी होता है, क्योंकि अटकने में गया मिनट आगे पढ़ने में नहीं गया।

अगर पैसेज के आख़िर में समय बचे, तो निशान लगाए सवालों पर लौटिए। अगर न बचे, तो जो अंदाज़ा आप पहले लिख चुके हैं, वही रहता है। ठीक इसीलिए पहली बार में अंदाज़ा लिखना मायने रखता है, बजाय इसके कि सोचते हुए जवाब ख़ाली छोड़ दें।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 7 — एक पैसेज, शुरू से आख़िर तक

इस हिस्से की हर चीज़ — पैसेज, सवाल और answer key — इसी किताब के लिए लिखी गई है। इसमें से कुछ भी असली IELTS पैसेज या सवाल नहीं है, और इसे आधिकारिक प्रैक्टिस टेस्ट न समझें। इसका मक़सद Part 3 और Part 4 की तकनीकों को एक साथ, शुरू से आख़िर तक लगाकर दिखाना है। पैसेज और सवाल अंग्रेज़ी में ही हैं, जैसे असली टेस्ट में होते — समझाइश हिंदी में है।

7.1 प्रीव्यू

नीचे का पैसेज पढ़ने से पहले, Part 3 की झलक वाली तकनीक लगाने वाला उम्मीदवार तीस सेकंड में यह देखेगा: पाँच पैराग्राफ़, हर एक एक ही कहानी के अलग पड़ाव के विषय-वाक्य से शुरू होता है — एक अवलोकन, एक अनुमान, पहली प्रतिक्रिया, एक उलझन, और एक बड़ा सबक़। नीचे के सवालों में एक identifying-information काम (Part 4.1), एक matching-headings काम (Part 4.2) और एक short-answer काम (Part 4.9) मिले हुए हैं — इसलिए पढ़ने से पहले उम्मीदवार पहले matching-headings के विकल्प पढ़ेगा, क्योंकि उस काम में यह जानना फ़ायदेमंद है कि क्या ढूँढना है, और identifying-information और short-answer सवालों के जवाब पढ़ते-पढ़ते पैसेज के क्रम में देने की योजना बनाएगा।

7.2 पैसेज और सवाल

Urban Beekeeping and the Return of the Rooftop Hive

For most of the twentieth century, beekeeping was assumed to be a rural activity, incompatible with the noise, pollution and limited green space of a city centre. That assumption began to shift in the early 2010s, when a small number of hotel and office-building managers in several northern European cities started placing hives on flat rooftops, initially as a marketing gesture rather than a serious ecological measure. What

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

surprised the building managers who tried it was not that the bees survived, but that colonies on urban rooftops frequently outproduced comparable colonies in the surrounding countryside, sometimes by a considerable margin.

Researchers who later studied this pattern proposed several explanations, and it took some years to establish which mattered most. One early hypothesis was that cities were simply warmer than surrounding rural areas, extending the foraging season by several weeks at each end. This turned out to be a real but relatively minor factor. The larger effect, established through comparative studies of hive productivity, was diversity of forage: an urban environment, with its parks, private gardens, roadside verges and even balcony planters, offers bees a wider range of flowering plants across more of the year than a rural landscape dominated by a single crop in bloom for a few weeks at a time. A single wheat field, however large, is a poor foraging environment for a colony once that crop has finished flowering; a city block, by contrast, tends to have something in bloom nearly year-round.

The initial response from building owners was enthusiastic, and the number of rooftop hives in several major cities grew rapidly through the mid-2010s. This enthusiasm produced its own problem within a few years: a small number of high-density districts ended up with far more hives than the local forage could actually support, and colonies in those districts began to show signs of nutritional stress despite the generally favourable urban environment described above. The issue, researchers noted, was not that cities were unsuitable for bees in general, but that beekeeping associations in several cities had not coordinated hive placement, so hives clustered wherever a willing rooftop happened to be

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

available rather than where forage was actually sufficient to support them.

In response, several city governments began working with local beekeeping associations to introduce voluntary hive-density guidelines, recommending a maximum number of colonies per square kilometre based on an estimate of the area's flowering capacity. Early results from cities that adopted these guidelines suggested colony health improved within two seasons, though researchers cautioned that the guidelines were new enough that longer-term data was still needed before drawing firm conclusions.

The wider lesson researchers drew from the episode was not specific to bees. A resource that appears abundant at a city-wide scale — in this case, flowering plants across an entire urban area — can still be locally scarce at the scale that actually matters to the organisms using it, and enthusiasm for a genuinely beneficial practice can undermine its own benefit if it is not paired with some means of coordinating how that practice is distributed across a city.

Questions

Questions 1–3: Do the following statements agree with the information in the passage? Write TRUE, FALSE or NOT GIVEN.

1. Urban rooftop hives were originally introduced mainly to help the environment.
2. Warmer city temperatures were the single largest reason urban hives outproduced rural ones.
3. Some cities introduced rules limiting how many hives could be kept in a given area.

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Questions 4–5: Choose the correct heading for paragraphs 3 and 4 from the list below.

List of headings i. A surprising early discovery ii. A problem caused by success iii. A response that shows early promise iv. A comparison between two theories v. A shift in public opinion

4. Paragraph 3
5. Paragraph 4

Question 6: Answer using no more than three words from the passage.

6. According to the passage, what did some beekeeping associations fail to do, according to researchers?

7.3 जवाब, और ग़लत विकल्प इस तरह क्यों बनाए गए कि उन्हें चुना जाए

1. False. पैसेज कहता है कि छत वाले छत्ते "initially as a marketing gesture rather than a serious ecological measure" शुरू हुए थे — यह कथन का उल्टा है, इसलिए यह सीधा खंडन है, जानकारी की कमी नहीं। जो उम्मीदवार पूरा वाक्य पढ़े बिना सिर्फ़ "environment" और "hives" ढूँढता है, वह इसे Not Given लगा सकता है और पैसेज में साफ़ दिखाया गया विरोध चूक सकता है।

2. False. पैसेज गर्म तापमान वाले विचार को "a real but relatively minor factor" (असली पर अपेक्षाकृत छोटा कारण) कहता है और बताता है कि फूलों की विविधता वाला कारण "the larger effect" (बड़ा असर) था। जो उम्मीदवार तापमान वाला कारण मिलते ही पढ़ना बंद कर देता है और उस वाक्य तक नहीं पहुँचता जो दोनों कारणों को आपस में तौलता है, वह इसे ग़लती से True लगा देगा।

3. True. पैसेज कहता है कि शहर की सरकारों ने "began working with local beekeeping associations to introduce voluntary hive-density guidelines."

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

यह सीधा मेल है, भले ही paraphrase के रूप में — सवाल का "rules limiting how many hives" पैसेज के "hive-density guidelines" से मेल खाता है, और यह ठीक उसी तरह का paraphrase है जिसका अभ्यास Part 5 कराता है।

4. ii — A problem caused by success. पैराग्राफ़ 3 उत्साह और बढ़ती छत्तों की संख्या से शुरू होता है, फिर एक ही इलाक़े में बहुत ज़्यादा छत्ते जमा होने से हुए पोषण के तनाव पर आता है। सिर्फ़ "enthusiastic" पर मिलान करने वाला पाठक heading v ("a shift in public opinion") की ओर हाथ बढ़ा सकता है — पर पैराग्राफ़ का मुख्य विचार, एक वाक्यांश में, यह है कि पहले की सफलता ने अपनी ही समस्या पैदा कर दी, जिसका नाम heading ii सीधे लेता है और heading v नहीं लेता।

5. iii — A response that shows early promise. पैराग्राफ़ 4 घनत्व वाले दिशा-निर्देशों का वर्णन करता है और बताता है कि शुरुआती नतीजे अच्छे थे पर लंबे समय का डेटा अभी चाहिए था। heading i ("a surprising early discovery") देखने में ठीक लगने वाला भटकाव है, क्योंकि पैराग्राफ़ में एक शुरुआती नतीजे का ज़िक्र है, पर वह वाक्यांश पैराग्राफ़ 2 की फूलों की विविधता वाली खोज का है, इस पैराग्राफ़ के जवाबी क़दम का नहीं।

6. Coordinate hive placement (या "coordinate where hives were placed")। पैसेज कहता है कि समस्या यह थी कि संगठनों ने "had not coordinated hive placement." जो उम्मीदवार अपने paraphrase में जवाब देता है — जैसे "manage hive numbers properly" — वह शायद तीन शब्दों की सीमा पार कर जाएगा या उस ठीक वाक्यांश से चूक जाएगा जो answer key चाहती है, और इसी वजह से Part 4.9 की तकनीक सलाह देती है कि पैसेज के अपने शब्द दोबारा कहने के बजाय सीधे उठाइए।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 8 — अपनी प्रगति ख़ुद जाँचना

8.1 यह किताब तकनीक है, टेस्ट नहीं

यह किताब तकनीक सिखाती है। यह सेल्फ़-टेस्ट नहीं है, और एक मौलिक प्रैक्टिस पैसेज यह बताने के लिए काफ़ी नहीं कि आप असल में कहाँ खड़े हैं।

The Minimum-Effort Path to 7.0 Reading के लिए आधिकारिक सेल्फ़-टेस्ट पहले से देती है: किसी आधिकारिक प्रैक्टिस टेस्ट के अपने ग़लत जवाबों को प्रश्न-प्रकार के हिसाब से छाँटिए, एक कुल स्कोर पर भरोसा करने के बजाय। कुल स्कोर दो बिल्कुल अलग वजहों से band 6.5 पर टिका रह सकता है — एक पाठक हर प्रकार में थोड़े-थोड़े अंक बराबर गँवा रहा है, या दूसरा पाठक अपने ज़्यादातर अंक एक ख़ास प्रकार में गँवा रहा है और बाक़ी आराम से संभाल रहा है। सिर्फ़ प्रकार के हिसाब से छाँटने से पता चलता है कि आप पर कौन-सी बात लागू होती है, और सिर्फ़ उसी से पता चलता है कि इस किताब के किन हिस्सों पर लौटना है।

अगर आपने हाल में कोई आधिकारिक प्रैक्टिस टेस्ट नहीं दिया, तो अगला क़दम वही है — इस किताब का एक और गढ़ा हुआ पैसेज नहीं, बल्कि एक असली टेस्ट, असली समय-सीमा में, ताकि नतीजे का सच में कुछ मतलब हो।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

आख़िर में

जब आपने यह किताब शुरू की थी, तब ग्यारह प्रश्न-प्रकार आपके लिए बराबर अहम थे, या अलग-अलग पहचाने ही नहीं जाते थे। अब इसे ख़त्म करते हुए आपके पास क्रम वाला एक नक़्शा है: चार प्रकार जिनका जाल और तकनीक अच्छी तरह याद होनी चाहिए, सात और जिनके लिए छोटी पर पूरी प्रविष्टि वह सब बता देती है जो चाहिए, और पैसेज को शुरू से आख़िर तक पढ़ने से पहले उसके ढाँचे पर नज़र डालने की आदत।

बस इतना ही है: समझने से पहले ढूँढिए, ठीक वही शब्द नहीं, paraphrase मिलाइए, अपना समय वहाँ लगाइए जहाँ असल में अंक हैं, और कभी ऐसी जगह ख़ाली मत छोड़िए जिसे अंदाज़े से भर सकते थे। इसमें से किसी के लिए हर पैसेज दो बार पढ़ना या Passage 3 का हर वाक्य समझना ज़रूरी नहीं। ज़रूरी बस इतना है कि वे अंक न गँवाएँ जो समझ की कमी से कभी जाने ही नहीं थे।

पैसेज और सवालों के बारे में। Part 7 का पैसेज, सवाल और हल किए गए जवाब इसी किताब के लिए लिखे गए हैं। इसमें से कुछ भी आधिकारिक IELTS सामग्री नहीं है, और इससे अभ्यास करना असली टेस्ट देने जैसा नहीं है। अपने असली आकलन के लिए आधिकारिक प्रैक्टिस सामग्री इस्तेमाल कीजिए — देखिए *The Minimum-Effort Path to 7.0*।

2026 के बदलावों के बारे में। Part 2 में टेस्ट देने के तरीक़े की बातें छपने से कुछ ही पहले ielts.org से मिलाई गई थीं। टेस्ट देने के तरीक़े की बातें ठीक उसी तरह की चीज़ हैं जो समय के साथ बदलती रहती हैं। उन पर भरोसा करने से पहले मौजूदा नियम ielts.org और अपने टेस्ट सेंटर से पक्के कर लीजिए।

टेस्ट के लिए शुभकामनाएँ, और उस मंज़िल के लिए भी जिसकी ओर यह एक क़दम है।

इन किताबों के बारे में

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

यह किताब मुफ़्त है। इसे बाँटने के लिए ही लिखा गया था, और आप इस फ़ाइल को टेस्ट की तैयारी कर रहे किसी को भी दे सकते हैं — किसी सहपाठी को, स्टडी ग्रुप को, किसी टीचर को। आपको इजाज़त की ज़रूरत नहीं, और कुछ चुकाना नहीं है।

और मुफ़्त किताबें **freeieltsbooks.net** पर हैं।

अगले हफ़्ते फिर आइए

पता अभी लिख लीजिए, जब यह आपके दिमाग़ में है: **freeieltsbooks.net**

इसे बुकमार्क में सेव कर लीजिए, या फ़ोन पर अगले हफ़्ते का रिमाइंडर लगा लीजिए — हम और किताबें जोड़ रहे हैं। साइट पर दिखता है कि उसे आख़िरी बार कब अपडेट किया गया, ताकि आप एक नज़र में देख सकें कि पिछली बार के बाद क्या बदला है।

न कुछ साइन अप करना है, न कोई ईमेल पता देना है। रिमाइंडर आपका है, आपके अपने फ़ोन पर — आप तक पहुँचने का हमारे पास यही एक रास्ता है, और हमें यही पसंद है।

यह संस्करण अक्टूबर 2026 में अपडेट किया गया।

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इस किताब का पैसेज, सवाल और हर हल किया गया उदाहरण इसी के लिए लिखा गया है। इसमें से कुछ भी आधिकारिक IELTS सामग्री नहीं है, और इससे अभ्यास करना असली टेस्ट देने जैसा नहीं है।